अब और कोई मम्बो जंबो नहीं



लेखिका: संगीता मुले

चित्रकार: तेजल शरण

अब और कोई
मम्बो जंबो नहीं

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

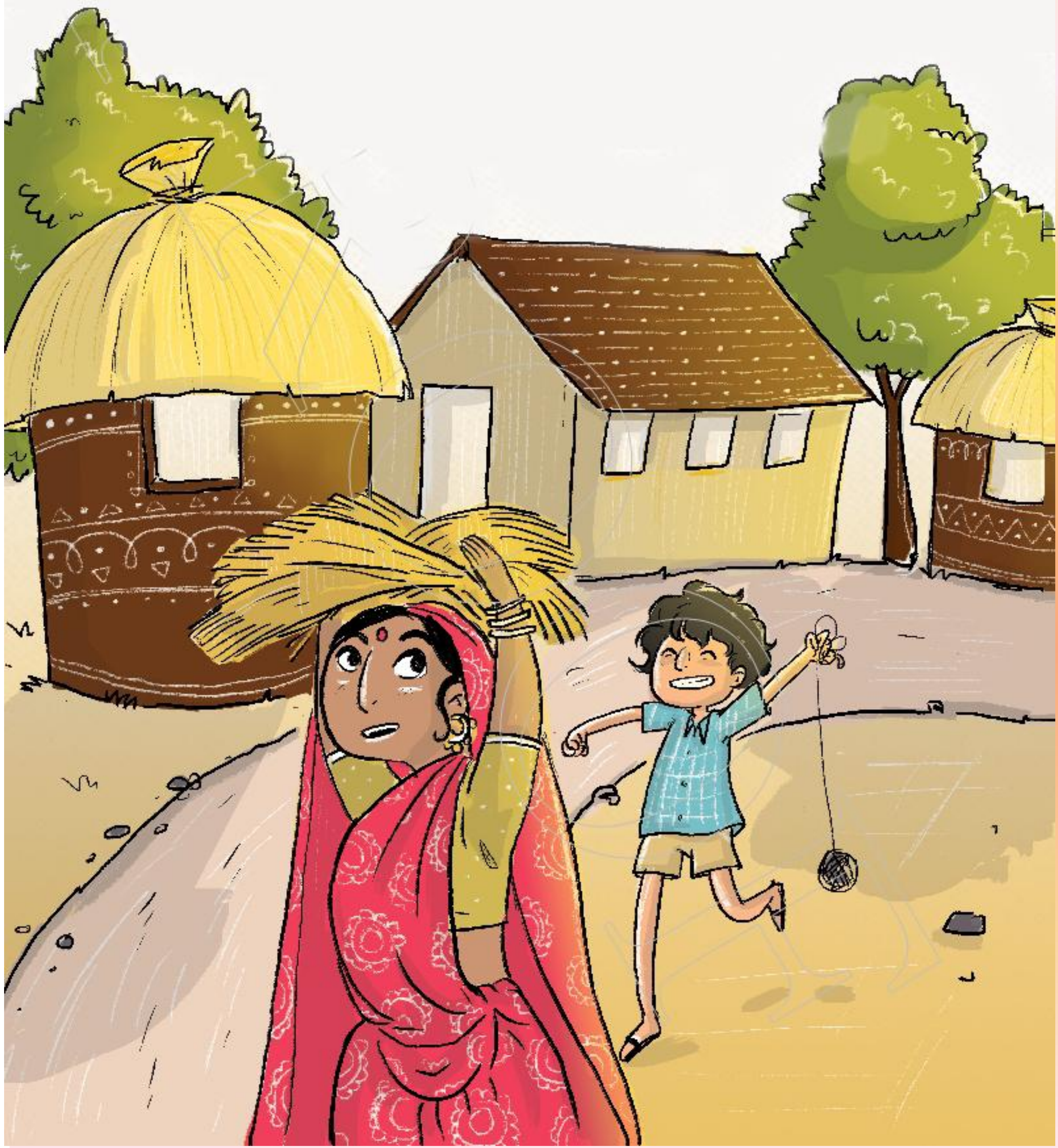
मम्बो जंबो

अब और कोई मम्बो जंबो नहीं

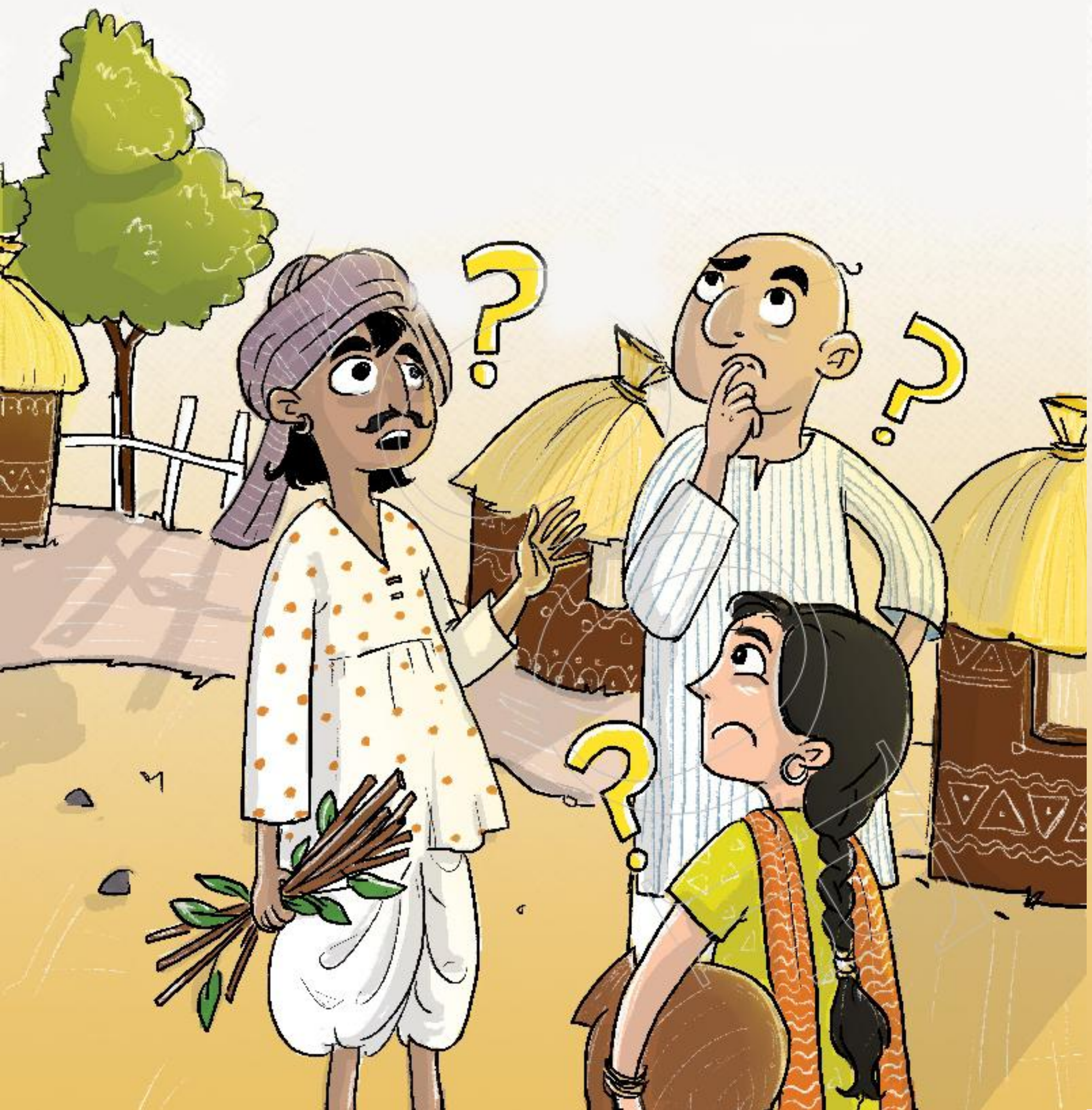
लेखिका: संगीता मुले

चित्रकार: तेजल शरण

तुमतुमपुर नाम का एक गाँव था.



तुमतुमपुर में कभी कोई विज्ञान का शिक्षक नहीं था.
गाँव वालों को विज्ञान का कोई ज्ञान नहीं था.



वहां एक बड़े बाबा रहते थे जो गाँव वालों की सभी समस्याओं का समाधान करते थे.

“ओह, बड़े बाबा, मेरे पेट में दर्द हो रहा है,” राम ने कहा, “कृपया उसे दूर कीजिए.”



"यह तो बहुत आसान है," बड़े बाबा ने कहा.

"बस जाप करो: **मम्बो जंबो**

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो.

उससे तुम्हारा पेट दर्द दूर हो जाएगा."



"देखो, बड़े बाबा, हमारा तुमतुमपुर मच्छरों से भरा है."

"हम क्या करें?" नागनाथ ने पूछा.



“बहुत आसान है,” बड़े बाबा ने कहा.

“बस जाप करो: **मम्बो जंबो**

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

उससे सब मच्छर भाग जाएँगे.”



गाँववाले हैरान थे, लेकिन उन्होंने वही किया जो उन्हें बताया गया.

वे जाप करते घूमते रहे: **मम्बो जंबो**

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो.



लेकिन उनके पेट में दर्द होता रहा. मच्छर भी बढ़ते गए.

लेकिन फिर भी वे बस जाप करते रहे: **मुम्बो जंबो**

मुम्बो जंबो

मुम्बो जंबो.



फिर एक दिन अचानक सरकार को एहसास हुआ कि तुमतुमपुर में कोई विज्ञान शिक्षक नहीं है.

इसलिए सरकार ने वहां तुरंत एक विज्ञान शिक्षक भेजा.

विज्ञान शिक्षिका, मिस झालोका, तुमतुमपुर पहुंचीं.



“मैं तुम्हें विज्ञान पढ़ाने आई हूं,” उन्होंने गाँव वालों से कहा.

“जब हमारे पास अपना 'मम्बो जंबो' है, तो फिर हमें विज्ञान की क्या ज़रूरत?” गाँव वालों ने पूछा.



“मैं तुम्हें एक प्रयोग दिखाती हूँ,” मिस झालोका ने कहा.

(मिस झालोका ने एक अंडे को धीरे से पानी के कटोरे में डाला. अंडा पानी में डूब गया).



“देखो, मैं अब क्या करती हूँ.” मिस झालोका ने कहा.

इस बार अंडा पानी में तैरने लगा!

(उन्होंने पानी के एक दूसरे कटोरे में नमक डाला, और फिर एक अंडे को धीरे से उसमें डाला).

“जादू!” रामदेव चिल्लाया.

“जादू नहीं, यह सिर्फ विज्ञान है,” मिस झालोका ने कहा.

“अगर तुम उसे समझ गए, तो फिर तुम उसका इस्तेमाल भी कर सकोगे.”



समय के साथ, मिस झालोका ने उन्हें बहुत सारा विज्ञान सिखाया.

उन्होंने गाँव में लोगों के सिर और पेट दर्द के लिए एक डॉक्टर को बुलाया.

“अब 'मम्बो जंबो' मत जपना,” मिस झालोका ने कहा.





डॉक्टर गुली ने कुछ ही समय में उनके सिर और पेट का दर्द ठीक कर दिया.

उन्होंने विज्ञान का उपयोग करके उन्हें मच्छर दूर भगाने के तरीके भी सिखाए.



गाँव वालों की जल्द ही विज्ञान से दोस्ती हो गई.

लेकिन उससे बड़े बाबा का गुस्सा और बढ़ता गया.

“अगर तुम 'मम्बो जंबो' नहीं जपोगे तो फिर गाँव बर्बाद हो जाएगा,” उन्होंने कहा.



“हर चीज़ के पीछे विज्ञान होता है, बड़े बाबा,” रामदेव ने कहा. “गाँव यूँ ही बर्बाद नहीं होते.”

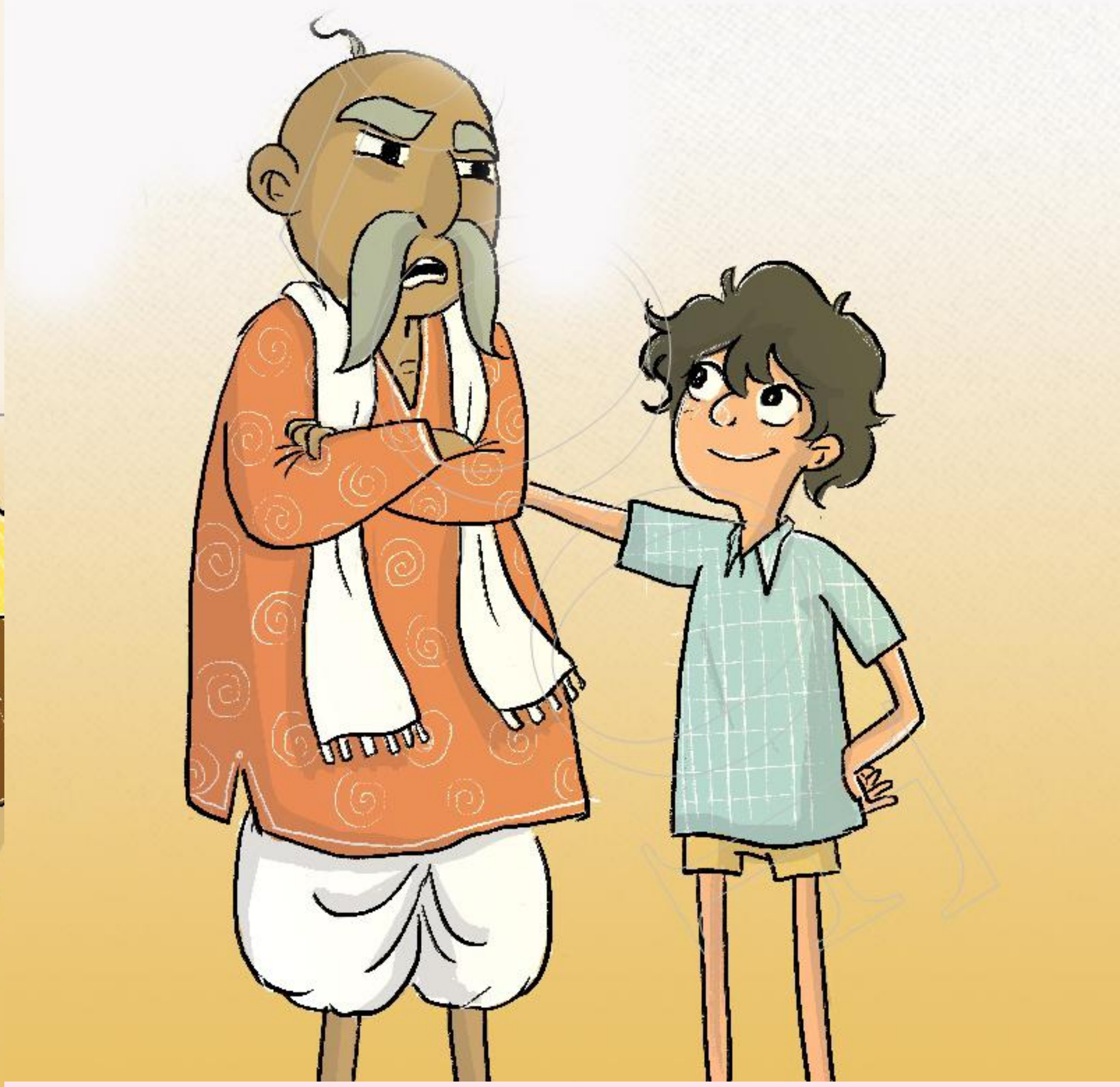
गाँव वालों के दिलों से अब बड़े बाबा का डर निकल गया.



“आखिर विज्ञान को लेकर यहां पर इतना शोर-शराबा क्यों है?” बड़े बाबा ने पूछा.

“चलो, मैं भी देखता हूं.”

उन्होंने देखा. और देखते ही बाबा भी विज्ञान के मोह में फंस गए!

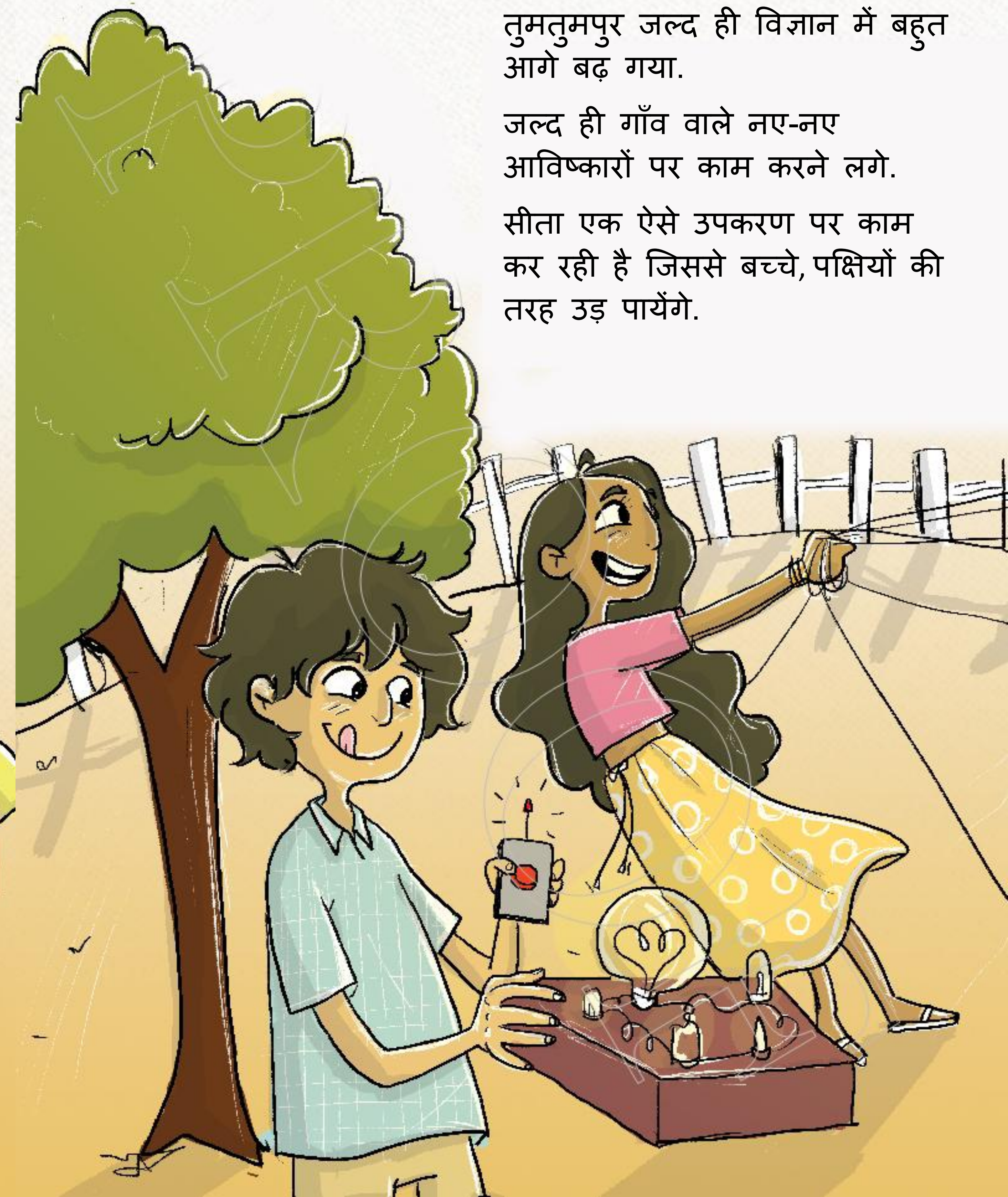




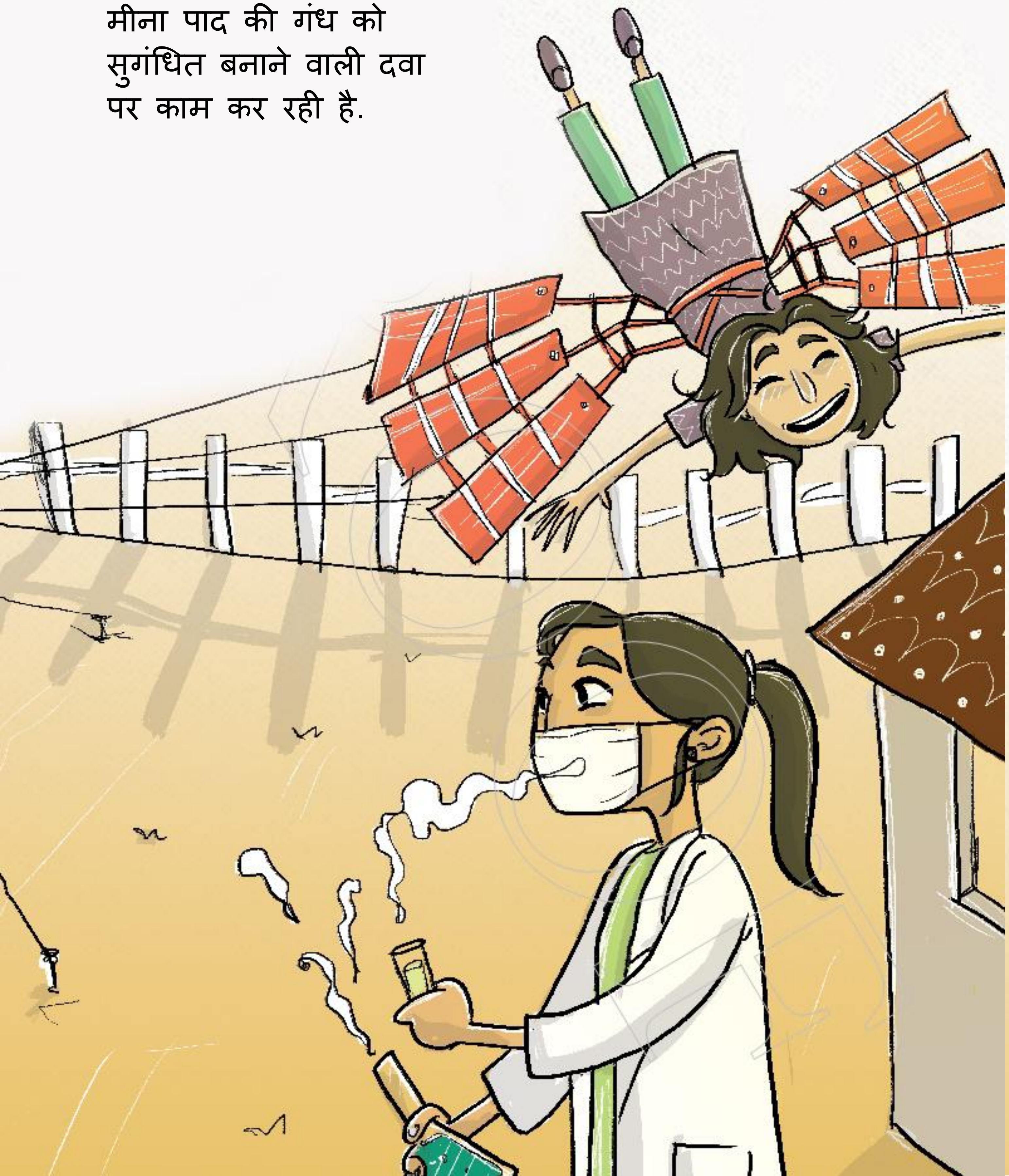
तुमतुमपुर जल्द ही विज्ञान में बहुत आगे बढ़ गया.

जल्द ही गाँव वाले नए-नए आविष्कारों पर काम करने लगे.

सीता एक ऐसे उपकरण पर काम कर रही है जिससे बच्चे, पक्षियों की तरह उड़ पायेंगे.



मीना पाद की गंध को सुगंधित बनाने वाली दवा पर काम कर रही है.



तुमतुमपुर ने एक पुरस्कार भी जीता है.
अब तक के सबसे वैज्ञानिक गांव का पुरस्कार.



अब और कोई मम्बो जंबो नहीं.

सिर्फ़ विज्ञान.



मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

तुमतुमपुर गाँव में जब भी कोई समस्या आती,

तो गाँव वालों का ही नारा होता:

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

मम्बो जंबो

फिर एक विज्ञान शिक्षका ने गाँव में आकर

जल्द ही सब कुछ बदल दिया.

इस किताब का उद्देश्य

वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है.